Q: "वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम" (वीवीपी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. जीवन की गुणवत्ता में सुधार
2. पलायन रोकने में सहायता
3. भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 के लिए 4800 करोड़ रुपये के वित्तीय आवंटन के साथ केंद्र प्रायोजित योजना "वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम" (वीवीपी) को मंजूरी दे दी है।
- उत्तरी सीमा पर ब्लॉकों के गांवों के व्यापक विकास से चिन्हित सीमावर्ती गांव में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।
- इससे लोगों को सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करने तथा इन गांवों से पलायन रोकने में सहायता मिलेगी, सीमा की सुरक्षा में सुधार होगा।

Q: एमक्यू9बी सी गार्जियन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. इसका उपयोग एंटी-सरफेस वारफेयर मिशन में नहीं किया जाता है।
2. इसमें 360 डिग्री समुद्री निगरानी रडार है।
3. यह प्रीडेटर MQ9 मानवरहित हवाई वाहन (UAV) का समुद्री संस्करण है

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b

व्याख्या:

- MQ9B सी गार्जियन प्रीडेटर MQ9 मानवरहित हवाई वाहन (UAV) का समुद्री संस्करण है।
- इसकी अधिकतम सहनशक्ति 40 घंटे और अधिकतम उड़ान ऊंचाई 40,000 फीट है।
- इसमें एक 360 डिग्री समुद्री निगरानी रडार और एक वैकल्पिक मल्टीमोड समुद्री सतह खोज रडार है।
- इसका उपयोग एंटी-सरफेस वारफेयर, एंटी-सबमरीन वारफेयर, मानवीय सहायता/आपदा राहत, खोज और बचाव, कानून प्रवर्तन (नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध आप्रवासन और चोरी), आदि जैसे संचालन में किया जा सकता है।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. फॉरेंसिक साइंस के लिए बीटल महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी जानवर या इंसान की मौत के समय का पता लगाने में मदद करता है।
2. इस बग की खोज जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की थी।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- हाल ही में, भारत में भृंग की एक नई प्रजाति की खोज की गई है। फोरेंसिक साइंस के लिए बीटल महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी जानवर या इंसान की मौत के समय का पता लगाने में मदद करता है।
- बग की खोज वैज्ञानिक अपर्णा सुरेशचंद्र कलावते ने की थी जो भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (WRC), पुणे के साथ काम करती है।

Q: रोगाणुरोधी प्रतिरोध के संबंध में मस्कट सम्मेलन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. इसने एएमआर के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए वन हेल्थ एक्शन के कार्यान्वयन में राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में तेजी लाने की आवश्यकता को पहचाना।
2. इसने न केवल मनुष्यों पर बल्कि जानवरों पर भी एएमआर के प्रभाव को दूर करने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया।
3. यह पर्यावरणीय स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक वृद्धि और विकास के क्षेत्रों से संबंधित है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- मस्कट में आयोजित रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर तीसरे वैश्विक उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (24-25 नवंबर, 2022) में भारत की प्रतिबद्धता स्पष्ट थी, जहां 30 से अधिक देशों ने एएमआर पर मस्कट मंत्रिस्तरीय घोषणापत्र को अपनाया।
- मस्कट मेनिफेस्टो ने एएमआर के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए वन हेल्थ एक्शन के कार्यान्वयन में राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में तेजी लाने की आवश्यकता को मान्यता दी।
- इसने एएमआर के प्रभाव को न केवल मनुष्यों पर बल्कि जानवरों पर भी, और पर्यावरणीय स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास और विकास के क्षेत्रों में संबोधित करने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया।

Q: हाल में भारत में बीटल की एक नई प्रजाति की खोज की गई है। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. नई प्रजाति ट्रोगिडे परिवार की है।
2. इस समूह के भृंगों को कभी-कभी छुपा भृंग कहा जाता है।
3. वे फोटोजेनिक हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3

d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- नई प्रजाति ट्रोगिडे परिवार से संबंधित है। इस नई प्रजाति के जुड़ने से अब भारत में इस परिवार की कुल 14 मौजूदा प्रजातियां हो गई हैं।
- इस समूह के भृंगों को कभी-कभी हिड बीटल कहा जाता है क्योंकि वे अपने शरीर को मिट्टी के नीचे ढक लेते हैं और छिप जाते हैं।
- वे फोटोजेनिक नहीं हैं; वे आम तौर पर काले या भूरे रंग के होते हैं और गंदगी में घिरे होते हैं। उनका ऊबड़-खाबड़ रूप अलग है, पूरे शरीर में छोटे, घने सेट हैं।
- नई प्रजाति रूपात्मक रूप से ओमॉर्गस रिमुलोसस के समान है।